

प्रेषक,
डा०पी०एस०गुसाई,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून: दिनांक ०५ जनवरी, 2010

विषय जिला योजना के अन्तर्गत अनुपूरक मांग के माध्यम से स्वीकृत धनराशि आवंटित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक निदेशक, युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल, निदेशालय देहरादून के पत्र संख्या-1260/दो-1855/09-10 दिनांक 29 दिसम्बर 2009 एवं पूर्व शासनादेश संख्या-326/VI-I/2009-2(7)2009 दिनांक 25 जून 2009 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-38 XXVII(I)/2010 दिनांक 19 जनवरी 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला योजना के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से अनुदान संख्या-11 में रू० 291.79 लाख (रू० दो करोड़ इकानबे लाख उनासी मात्र) तथा अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत जिला योजना के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम स्वीकृत धनराशि रू० 14.20 लाख (रू० चौदह लाख बीस हजार मात्र) अर्थात् कुल रू० 305.99 लाख (रू० तीन करोड़ पांच लाख निरानबे हजार मात्र) निम्न विवरणानुसार आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

जिला योजना

(धनराशि हजार रुपये में)

	अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आवंटित धनराशि	अनुदान संख्या-31 स्वीकृत धनराशि
1. नैनीताल	1991	56
2. उधमसिंहनगर	1853	627
3. अल्मोड़ा	1049	0
4. पिथौरागढ़	1852	97
5. बागेश्वर	1479	29
6. चम्पावत	1976	0
7. देहरादून	2533	484
8. पौड़ी	5005	0
9. टिहरी	1644	0
10. चमोली	3746	50
11. उत्तरकाशी	1900	77
12. रुद्रप्रयाग	2369	0
13. हरिद्वार	1782	0
योग	29179	1420

2. उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती हैं कि, मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।
3. धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जाय।
4. पूर्व स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र तत्काल शासन को उपलब्ध करा दी जाय।
5. उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि को जनपदवार एवं योजनावार आवंटित परिव्यय के अनुसार ही धनराशि व्यय किया जायें। धनराशि व्यय करते समय नियोजन विभाग द्वारा गठित परिव्यय का पूर्ण पालन किया जायेगा।
7. धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही हैं व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें। अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक- 2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-001- निदेशन एवं प्रशासन-91- जिला योजना -9101- प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण विभाग -42- अन्य व्यय तथा अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें -796-जनजाति क्षेत्र उपयोगना-91- जिला योजना-9101- प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण -42- अन्य व्यय के आयोजनागत पक्ष के मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

भवदीय,

(डा0पी0एस0गुसाई)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या - 06/VI-I/2010 - 2(7) 2008 TC तददिनांकित
प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निदेशक, युवा कल्याण निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. - समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. समस्त जिला युवा कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
8. एन0आई0सी0, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव